पाठ 49

1. यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला किसके लिए यहूदियों के हृदय तैयार कर रहा था?

-यीशु के लिए उद्धारकर्ता।

2. यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला कैसे यहूदियों के हृदय को तैयार कर रहा था?

-उन्हें परमेश्वर का वचन सिखाने के द्वारा।

3. यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यहूदियों को क्या सिखाया?

-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यहूदियों को सिखाया कि उन्हें पश्चाताप करना चाहिए।

4. पश्चाताप करने का क्या अर्थ है?

-परमेश्वर के बारे में अपने विचारों को बदलने के लिए, क्योंकि परमेश्वर पवित्र हैं और केवल परमेश्वर के मार्ग पर ही संपर्क किया जा सकता है।

-अपने बारे में अपने विचारों को बदलने के लिए, क्योंकि हम सभी ने परमेश्वर के खिलाफ पाप किया है।

-पाप के बारे में हमारे विचारों को बदलने के लिए, परमेश्वर सभी पापों को अनन्त मृत्यु के साथ दंडित करते हैं।

5. बपतिस्मा का क्या अर्थ है?

-बपतिस्मा एक संकेत है कि आपने पश्चाताप किया है, और आपको बचाने के लिए केवल परमेश्वर में विश्वास है।

6. क्या बपतिस्मा किसी को पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से बचा सकता है?

-नहीं।

7. यहूदियों को पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से केवल कौन बचा सकता था?

-यीशु उद्धारकर्ता।

8. यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने फरीसियों और सदूकियों को साँपों की सन्तान क्यों कहा?

-क्योंकि फरीसी और सदूकी बहुत घमण्डी थे।

-क्योंकि फरीसियों और सदूकियों ने पश्चाताप करने से इनकार कर दिया।

9. फरीसियों और सदूकियों ने यह क्यों सोचा कि परमेश्वर उनसे प्रसन्न है?

-क्योंकि उन्होंने सोचा था कि उनके कामों से परमेश्वर उनसे प्रसन्न होंगे।

10. क्या कोई कार्य जो हम करते हैं, क्या वह परमेश्वर को हमसे प्रसन्न होने के लिए बाध्य करेगा?

-नहीं।

11. ऐसा कौन सा काम है जो परमेश्वर को प्रसन्न करेगा?

-अपने पापों का प्रायश्चित करना।

12. फिर फरीसियों और सदूकियों ने यह क्यों सोचा कि परमेश्वर उनसे प्रसन्न है?

-क्योंकि वे इब्राहीम के वंशज थे।

13. क्या किसी का वंशज होना हमें परमेश्वर को प्रसन्न करता है?

-नहीं।

14. यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने उन सभी के बारे में क्या कहा जो घमंडी हैं और पश्चाताप करने से इनकार करते हैं?

-कि परमेश्वर उन्हें एक बुरे पेड़ की तरह काट देगा और उन्हें अनन्त आग की झील में फेंक देगा।

15. पृथ्वी पर रहते हुए यीशु का मार्गदर्शन कौन कर रहा था?

-परमेश्वर पवित्र आत्मा।

16. जब यीशु का बपतिस्मा हुआ, तो पिता परमेश्वर ने यीशु के बारे में क्या कहा?

-पिता परमेश्वर ने कहा कि वह यीशु से पूरी तरह खुश हैं।

17. यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यीशु को "परमेश्वर का मेम्ना" क्यों कहा?

-जैसे परमेश्वर ने इसहाक के लिए मरने के लिए एक भेड़ दी, वैसे ही परमेश्वर ने यीशु को सभी लोगों के लिए मरने के लिए दिया।

-यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यीशु को बपतिस्मा देने के बाद, पवित्र आत्मा परमेश्वर ने यीशु को रेगिस्तान में ले जाया।

आइए पढ़ें मत्ती 4:1

1-तब यीशु को आत्मा के द्वारा रेगिस्तान में ले जाया गया ताकि शैतान से परीक्षा हो।

-यीशु के साथ क्या हुआ जब वह रेगिस्तान में था?

-शैतान ने यीशु की परीक्षा ली।

-शैतान नहीं बदलता।

-शैतान शुरू से ही दुष्ट रहा है।

-जैसे शैतान ने आदम और हव्वा की परीक्षा ली, वैसे ही शैतान ने अब यीशु की परीक्षा ली।

-शैतान ने यीशु की परीक्षा क्यों ली?

-क्योंकि शैतान चाहता था कि यीशु पाप करे।

-शैतान क्यों चाहता था कि यीशु पाप करे?

-क्योंकि शैतान नहीं चाहता था कि यीशु हमें बचाए।

-यदि यीशु पाप करता, तो क्या वह हमें बचा पाता?

-नहीं।

-यदि यीशु पाप करेगा, तो वह हमें पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से नहीं बचा पाएगा।

-शैतान ने यीशु को परीक्षा दी क्योंकि वह यीशु को हराना चाहता था जो उद्धारकर्ता परमेश्वर था।

-शैतान ने यीशु की परीक्षा इसलिए की क्योंकि वह यीशु को अपना दास बनाना चाहता था।

- यिशु रेगिस्तान में थे और उन्होंने 40 दिनों तक उपवास किया।

आइए पढ़ें मत्ती 4:2

2-चालीस दिन और चालीस रात उपवास करने के बाद, वह भूखा था।

-यद्यपि यीशु पूर्ण रूप से परमेश्वर थे, वे पूर्ण रूप से मनुष्य भी थे।

-इसीलिए यीशु भूखा था।

-पहला प्रलोभन क्या था जिससे शैतान ने यीशु की परीक्षा ली?

आइए पढ़ें मत्ती 4:3

3-परीक्षक ने उसके पास आकर कहा, यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो कह कि ये पत्थर रोटी बन जाएं।

-शैतान ने यीशु से कहा, "यदि तुम परमेश्वर के पुत्र हो।"

-क्या शैतान नहीं जानता था कि यीशु परमेश्वर का पुत्र था?

-हां।

-शैतान ने क्यों कहा, "यदि तुम परमेश्वर के पुत्र हो"?

-शैतान यीशु को यह साबित करने के लिए प्रलोभित कर रहा था कि वह परमेश्वर का पुत्र है।

-शैतान यीशु को कुछ ऐसा करने के लिए प्रलोभित कर रहा था जिसे करने के लिए पिता परमेश्वर ने उसे नहीं कहा था।

-शैतान यीशु को पत्थरों को रोटी में बदलकर पिता परमेश्वर से अलग कार्य करने के लिए प्रलोभित कर रहा था।

-क्या यीशु पत्थरों को रोटी में बदलने में सक्षम थे?

-हां।

-यीशु परमेश्वर थे।

-यीशु कुछ भी करने में सक्षम थे।

-यीशु ने शैतान को क्या जवाब दिया?

आइए पढ़ें मत्ती 4:4

4-यीशु ने उत्तर दिया, “लिखा है, कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहता है।”

-शैतान को जवाब देने के लिए यीशु ने क्या किया?

-यीशु ने शैतान को वही दोहराया जो परमेश्वर की पुस्तक, बाइबल में लिखा था।

-यीशु ने क्या बताया कि शैतान भोजन से ज्यादा महत्वपूर्ण है?

-यीशु ने शैतान से कहा कि भोजन से अधिक महत्वपूर्ण परमेश्वर के वचन पर विश्वास करना है।

-क्या यीशु ने कहा था कि हमें खाना नहीं खाना चाहिए?

-नहीं।

-यीशु जानता है कि हमें जीने के लिए खाना खाना चाहिए।

-यीशु ने सभी लोगों के लिए भोजन बनाया।

-यीशु शैतान को बता रहे थे कि सच्चा जीवन परमेश्वर के वचन से आता है।

-यद्यपि यीशु भूखा था, उसने पत्थरों को रोटी में क्यों नहीं बदला?

-क्योंकि परमेश्वर पिता ने उसे ऐसा करने के लिए नहीं कहा था।

-यीशु शैतान की बात नहीं मानेगा।

-यीशु केवल पिता परमेश्वर की आज्ञा का पालन करेगा।

-दूसरा प्रलोभन क्या था जिससे शैतान ने यीशु की परीक्षा ली?

आइए पढ़ें मत्ती 4:5-6

5-तब शैतान उसे पवित्र नगर में ले गया और उसे मन्दिर के सबसे ऊंचे स्थान पर खड़ा कर दिया।

6-"यदि आप परमेश्वर के पुत्र हैं," उन्होंने कहा, "अपने आप को नीचे गिरा दो। क्योंकि लिखा है, कि वह तेरे विषय में अपके स्वर्गदूतोंको आज्ञा देगा, और वे तुझे अपके हाथ में उठा लेंगे, कि तेरे पांव में पत्यर न लगे।

-शैतान यीशु को यरुशलम में मंदिर के शीर्ष पर ले गया, और यीशु को मंदिर से कूदने के लिए कहा।

-शैतान ने यीशु को मंदिर से कूदने के लिए कहा क्योंकि परमेश्वर की बाइबल में लिखा था कि परमेश्वर पिता यीशु की रक्षा करेगा।

-क्या शैतान जानता है कि परमेश्वर की बाइबल में क्या लिखा है?

-हां।

-शैतान जानता है कि परमेश्वर की पुस्तक, बाइबल में क्या लिखा है।

-लेकिन शैतान परमेश्वर के वचन के साथ क्या करता है?

-लोगों को फंसाने के लिए शैतान परमेश्वर के वचन को तोड़-मरोड़ कर पेश करता है।

-हव्वा को फँसाने के लिए शैतान ने परमेश्वर के वचन को कैसे तोड़-मरोड़ कर पेश किया?

-शैतान ने हव्वा से कहा कि यदि वह वह फल खाएगी जो परमेश्वर ने उसे खाने से मना किया है, तो वह नहीं मरेगी।

-शैतान ने यीशु को फँसाने के लिए परमेश्वर के वचन को तोड़-मरोड़ कर पेश किया।

-शैतान यीशु को कुछ ऐसा करने के लिए प्रलोभित कर रहा था जिसे करने के लिए पिता परमेश्वर ने उसे नहीं कहा था।

-शैतान यीशु को मंदिर से कूदकर पिता परमेश्वर से अलग कार्य करने के लिए प्रलोभित कर रहा था।

-यीशु ने शैतान को क्या जवाब दिया?

आइए पढ़ें मत्ती 4:7

7-यीशु ने उस को उत्तर दिया, कि यह भी लिखा है, कि अपके परमेश्वर यहोवा की परीक्षा न करना।

-शैतान को जवाब देने के लिए यीशु ने क्या किया?

-यीशु ने शैतान को वही दोहराया जो परमेश्वर की पुस्तक, बाइबल में लिखा था।

-यीशु ने शैतान से कहा कि हमें पिता परमेश्वर की परीक्षा नहीं लेनी है।

-हमें पिता परमेश्वर की परीक्षा क्यों नहीं लेनी चाहिए?

-क्योंकि परमेश्वर हमेशा सच बोलते हैं।

-क्योंकि परमेश्वर कभी झूठ नहीं बोलते।

-क्योंकि परमेश्वर अपने वादों को कभी नहीं तोड़ते।

-क्योंकि परमेश्वर हमेशा अपने वादों को निभाते हैं।

-यीशु ने मंदिर से छलांग क्यों नहीं लगाई?

-क्योंकि परमेश्वर पिता ने उसे ऐसा करने के लिए नहीं कहा था।

-यीशु शैतान की बात नहीं मानेगा।

-यीशु केवल पिता परमेश्वर की आज्ञा का पालन करेगा।

-तीसरा प्रलोभन क्या था जिसके द्वारा शैतान ने यीशु की परीक्षा ली?

आइए पढ़ें मत्ती 4:8-9

8-फिर से, शैतान उसे एक बहुत ऊँचे पहाड़ पर ले गया और उसे दुनिया के सभी राज्य और उनका वैभव दिखाया।

9-"यह सब मैं तुझे दूँगा," उसने कहा, "यदि तू दण्डवत् करके मेरी उपासना करेगा।"

-शैतान यीशु को एक ऊँचे पहाड़ पर ले गया, और यीशु को संसार के सारे राज्य और उनका वैभव दिखाया।

-शैतान ने यीशु से कहा कि अगर यीशु शैतान की पूजा करेगा तो वह यीशु को सारी दुनिया का नियंत्रण दे देगा।

-क्या शैतान के लिए यीशु को सारी दुनिया का नियंत्रण देना संभव था?

-हां।

-शैतान के लिए यीशु को सारी दुनिया का नियंत्रण देना क्यों संभव था?

-क्योंकि जब आदम ने शैतान की बात मानी, तो शैतान आदम और सभी लोगों का मालिक बन गया।

-क्योंकि जब आदम ने शैतान की बात मानी, तो शैतान आदम का, सभी लोगों का, और सारे संसार का स्वामी बन गया।

-क्या यीशु ने शैतान की पूजा की?

-नहीं।

-यीशु ने शैतान को क्या जवाब दिया?

आइए पढ़ें मत्ती 4:10

10-यीशु ने उस से कहा, हे शैतान, मुझ से दूर हो! क्योंकि लिखा है, 'अपने परमेश्वर यहोवा की उपासना करो, और केवल उसी की उपासना करो।'"

-शैतान को जवाब देने के लिए यीशु ने क्या किया?

-यीशु ने शैतान को वही दोहराया जो परमेश्वर की पुस्तक, बाइबल में लिखा था।

-यीशु ने कहा कि हमें केवल ईश्वर की पूजा करनी है।

-यीशु ने शैतान पर कैसे विजय प्राप्त की?

-परमेश्वर के वचन के साथ।

-क्या यीशु ने परमेश्वर के वचन को तोड़-मरोड़ कर पेश किया?

-नहीं।

-यीशु ने परमेश्वर के वचन को वैसा ही बोला जैसा परमेश्वर की बाइबिल में लिखा है।

-शुरुआत में शैतान ने परमेश्वर का मालिक बनने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा।

-इसके बाद, शैतान ने आदम और हव्वा को धोखा दिया ताकि हम परमेश्वर से अलग हो जाएँ।

-क्योंकि आदम और हव्वा ने शैतान की बात सुनी, शैतान आदम और हव्वा और सभी लोगों का स्वामी बन गया।

-अब, शैतान ने यीशु का स्वामी बनने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा।

-कौन बड़ा है, यीशु या शैतान?

-यीशु।

-यीशु शैतान से बड़ा क्यों है?

-क्योंकि यीशु परमेश्वर है।

-क्योंकि यह यीशु ही थे जिन्होंने शुरुआत में लूसिफ़ेर को एक आदर्श देवदूत के रूप में बनाया था।

-यीशु ने लूसिफ़ेर को एक सिद्ध देवदूत के रूप में बनाया, फिर भी लूसिफ़ेर ने पाप किया और शैतान बन गया।

-भविष्य में, यीशु शैतान और उसके सभी राक्षसों के साथ क्या करेगा?

-यीशु शैतान और उसके सभी राक्षसों को अनन्त आग की झील में फेंक देगा।

-यीशु द्वारा शैतान को हराने के बाद, शैतान ने उसे कुछ समय के लिए छोड़ दिया।

आइए पढ़ें मत्ती 4:11

11-तब शैतान उसके पास से चला गया, और स्वर्गदूत आकर उसकी सुधि ली।

-शैतान ने कुछ समय के लिए यीशु को छोड़ दिया, और पिता परमेश्वर ने यीशु की सहायता के लिए स्वर्गदूत भेजे।

-यद्यपि शैतान ने यीशु को कुछ समय के लिए छोड़ दिया, शैतान फिर से यीशु की परीक्षा लेने के लिए लौट आएगा।